करवा चौथ पूजन विधि

- अगर आप पहली बार करवा चौथ का व्रत रखने जा रही हैं तो बता दें कि इस दिन सूर्योदय से पहले सरगी खाई जाती है. जो कि सास अपनी बहु को देती है, यदि सास नहीं है तो जेठानी या ननद भी सरगी दे सकती हैं. सरगी नहा-धोकर स्वच्छ वस्त्र पहनकर ही ग्रहण की जाती है. इस दौरान सरगी में मिलने वाली सामग्री खाई जाती है और फिर दिनभर पर अन्न-जल कुछ भी ग्रहन नहीं किया जाता.
- करवा चौथ के दिन एक चौकी पर लाल रंग का कपड़ा बिछाकर उस पर चौथ माता की तस्वीर लगाएं. इसके साथ ही भगवान शिव व माता पार्वती की भी तस्वीर अवश्य लगाएं. क्योंकि इस दिन माता पार्वती का पूजन किया जाता है. माता पार्वती को श्रृंगार की वस्तुएं अर्पित करें और उनसे प्रार्थना करें कि आपका दाम्पत्य जीवन हमेशा खुशहाल बना रहे.
- करवा चौथ की पूजा में मिट्टी का करवा काफी महत्वपूर्ण है. चौकी पर मिट्टी का करवा रखें और उस स्वास्तिक बनाएं. इसके बाद पूजा की थाली तैयार करें. पूजा की थाली में धूप, दीप, चंदन, रोली, सिंदूर और घी का दीपक अवश्य रखें.
- करवा चौथ का व्रत कर रही हैं तो शाम के समय या चांद निकलने से एक घंटा पहले पूजा शुरू कर दें. पूजा के बाद करवा चौथ की कथा अवश्य सुनें. बिना कथा के यह व्रत अधूरा माना जाता है.
- करवा चौथ के व्रत में छलनी का भी विशेष महत्व होता है क्योंकि चांद निकलने के बाद छलनी से चंद्रमा देखने के बाद पति को देखा जाता है. फिर पति के हाथ से जल ग्रहण कर यह व्रत खोला जाता है.
- इस दिन सास के लिए थाली व कपड़े मंशकर रखे जाते हैं. थाली में बहुएं करवा, मिठाई, मेवे और भोजन रखती हैं. अपनी इच्छानुसार सास को कपड़े व पैसे देती है. सास भी अपनी बहु को सौभाग्यवती का आशीर्वाद देती हैं.

करवा चौथ व्रत की पूजा सामग्री

- मां पार्वती, भगवान शंकर और गणपति की एक फोटो
- शद्ध घी
- दही
- मेहंदी
- मिठाई
- कच्चा दूध
- कुमकुम
- अगरबत्ती

- शक्कर
- शहद
- महावर
- कंघा
- चुनरी
- पुष्प
- गंगा जल
- चंदन
- मिट्टी का टोंटीदार करवा और ढक्कन
- दीपक और बाती के लिए रूई
- गेंहू
- शक्कर का बूरा
- पानी का लोटा
- आठ पूरियों की अठवारी
- गौरी बनाने के लिए पीली मिट्टी
- लकड़ी का आसन
- छन्नी
- चूड़ी
- चावल
- सिंदूर
- बिंदी
- बिछुआ
- हलवा और दक्षिणा के लिए पैसे